DSSSB TGT & PGT

Part-B

SCHOLAR BATCH

INDIAN ECONOMY

Poverty

Part -9

LIVE 12-07-2024 08:00 PM

मुद्रा (Money)

यह भुगतान का एक माध्यम है
सभी प्रकार के लेन देन में स्वीकार है

100/-

goods
Service
लेन देन के लिए भी
माध्यम से होगा

साख मुद्रा
credit Money
"Cheque"
के माध्यम से भुगतान

वैधानिक मुद्रा
Legal Money
तुरंत तरलता प्राप्त हो

RBI - धारक को उल्लिखित रकम अदा करने का वचन

मुद्रा एवं बैंकिंग

मुद्रा:-

⇒ भुगतान का एक माध्यम है, जिसे सभी प्रकार के लेन देन में स्वीकार किया जाता है।

i) साख मुद्रा (भुगतान - चेक के माध्यम से होता है)

ii) वैधानिक मुद्रा (तुरंत - तरलता RBI धारक को वचन देता है। उतनी ही मूल्य अदा करने का)

तरलता (Liquidity):-

⇒ मुद्रा की उतने ही मूल्य की वस्तु या सेवा में पूर्ण परिवर्तनीयता।

100 ₹ ⟶ Market ⟶ मूल्य वस्तु / सेवा

बिना क्षति

मुद्रा की पूर्ति (Supply of Money):-

⇒ मुद्रा की वह मात्रा जो लोगों के पास खर्च करने के लिए उपलब्ध हो।

⇒ ज्ञात - चैंडलर का तुलना पत्र

⇒ 1961 मे प्रथम और 1977 में दूसरा कार्यकारी दल गठित किया गया।

⇒ मुद्रा की उपलब्धता जिसका देशवासी जब चाहें तब प्रयोग कर सकते हैं।

$M_1 > M_2 > M_3 > M_4$

C+B+R

$M_1 + PO = M_2$

$M_1 + CS = M_3$

$M_3 + PO = M_4$

मुद्रा की पूर्ति का घटता हुआ क्रम

M_1 = (जनता के पास मुद्रा + बैंकों के पास मांग जमाऐं (C+S) + रिजर्व बैंक के पास मांग जमाऐं)

M_2 = M_1 + डाकघरों की बचत जमाऐं (maturity period)

M_3 = M_1 + सहकारी बैंकों के पास समय जमा।

M_4 = M_3 + डाकघर की कुल जमाऐं।

मुद्रास्फीति (Inflation)

⇒ वस्तु की कीमतों में लगातार वृद्धि होती जाती है। एवं मुद्रा के मूल्य में कमी।

e.g. 5 ₹ ⟶ 1 Cadbury

10 ₹ ⟶ 1 Cadbury.

मुद्रास्फीति (inflation)

स्थिति

- ↓ मुद्रा की value कमी
  - 100₹
  - 100₹
- ↑ वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि
  - 5Kg चावल
  - 4Kg चावल

मुद्रास्फीति के प्रकार :-

① रेंगती हुई मुद्रास्फीति / नम्र मुद्रास्फीति -

⇒ कीमतों में वृद्धि → ईकाई का अंक = 9%

⇒ ये अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी मानी जाती है।

② कूदती हुयी मुद्रास्फीति / गैलोपिंग स्फीति -

⇒ कीमतों में वृद्धि → दहाई, सैंकड़े का अंक ↑

③ चलती हुयी मुद्रास्फीति / दौड़ती हुयी मुद्रास्फीति -

⇒ कीमतों में वृद्धि - सैंकड़े के अंक से ज्यादा ↑

मुद्राअवस्फीति (Deflation)

⇒ वस्तु की कीमतों में कमी, मुद्रा का मूल्य अधिक।

$$\text{inflation} \propto \frac{1}{\text{Deflation}}$$

मुद्रा का अवमूल्यन (Devaluation)

⇒ बाह्य मुद्रा की तुलना में अपनी मुद्रा का गिरना (मूल्य)

$ = ₹ ↓

मुद्रा प्रत्यवस्फीति (Reflation)

⇒ मुद्राअवस्फीति बहुत अधिक होती है, कीमतें तेजी से नीचे गिरती है, तब सरकार अधिक से अधिक नोट छापती है।

Deflation ↑ ↓ नोट छाप = Reflation

स्टेग फ्लेशन (Stagflation)

मुद्रास्फीति + बेरोजगारी

मांग का नियम :-

⇒ वस्तु की कीमत बढ़ने पर उसकी मांग घट जाती है। मांग और कीमत में उल्टा सम्बंध होता है।

$$\text{कीमत} \propto \frac{1}{\text{मांग}}$$

पूर्ति का नियम :-

⇒ वस्तु की कीमत बढ़ने पर पूर्ति भी बढ़ जाती है, अर्थात् कीमत और पूर्ति में सीधा सम्बंध होता है।

$$\text{कीमत} \propto \text{पूर्ति}$$

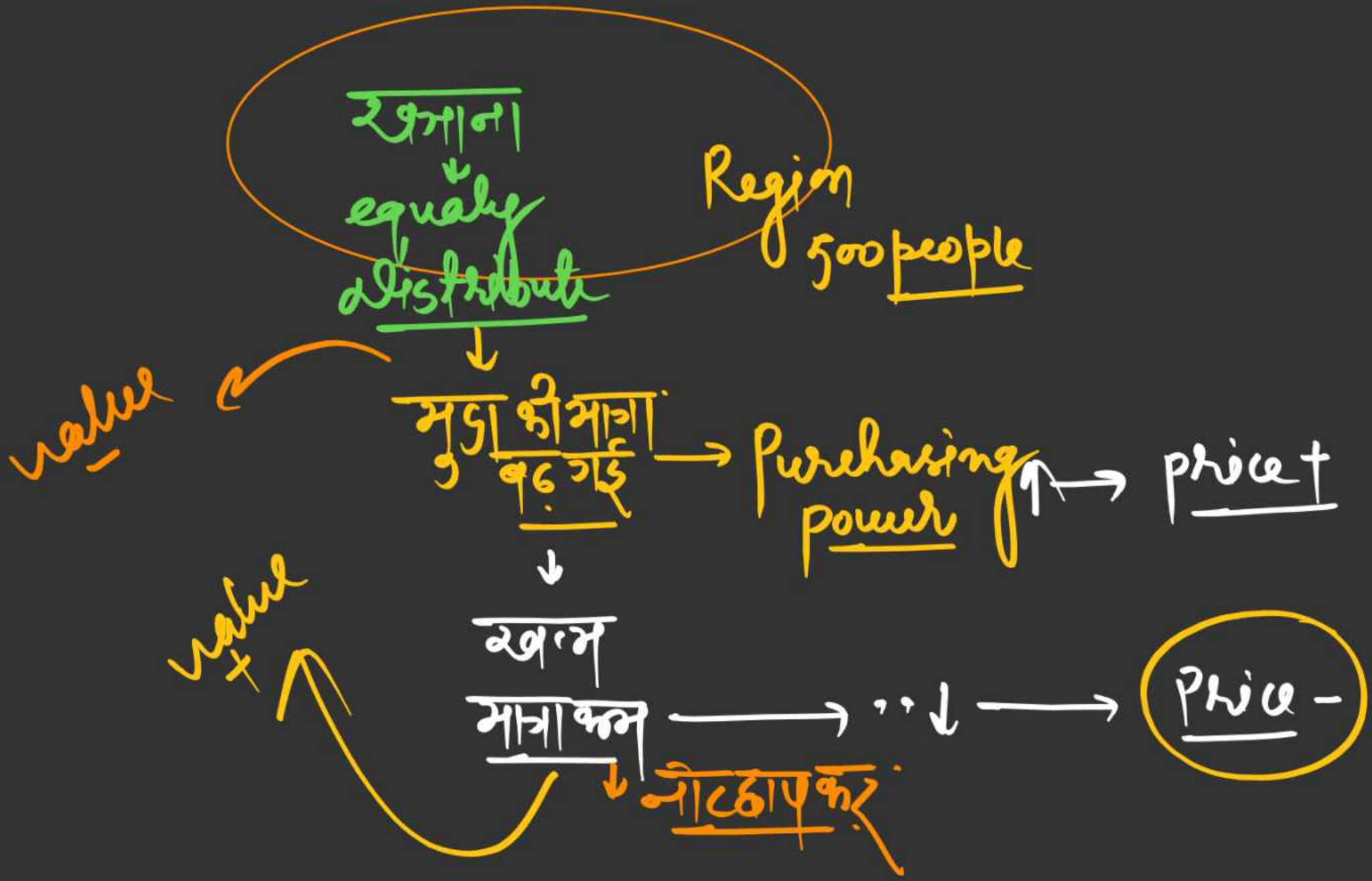

खज़ाना
equally
distribute
Region
500 people
मुद्रा की मात्रा बढ़ गई
Purchasing power
price
value
खजाना मात्रा कम
Price
value
नोट छापकर

मांग का नियम

कीमत ∝ $\frac{1}{\text{मांग}}$

पूर्ति का नियम

कीमत ∝ पूर्ति